RAN-18011303010400002

RAN-1801130301040002 / 2501005601040002

M.A. (Semester-I) Examination March - 2026

Hindi : Paper-4(B) CC-04 : Chhayawad (Neeraja, Ram ki Shakti Pooja)

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions

(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book.

Seat No.:

Student's Signature

प्र–1. **निम्न में से किन्ही पांच प्रश्नों के संक्षिप्त में उत्तर दीजिए :–** **10**

1) राम की शक्ति पूजा काव्य के कथानक का मूलाधार क्या है?
2) महाप्राण निराला का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
3) रावण से युद्धरत राम स्वयं को क्यों धिक्कारते हैं?
4) राम की शक्ति पूजा काव्य में कितने पात्र हैं? कौन–कौन से?
5) 'पुलक पुलक उर, सिहर सिहर तन' – पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?
6) 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' काव्य में कवयित्री किसका पथ आलोकित करना चाह रही है?
7) आधुनिक युग की मीरां किसे कहा गया है?

प्र–2. ''नीरजा'' में अभिव्यक्त भावपक्ष और कलापक्ष को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **13**

अथवा

प्र–2. ''नीरजा'' काव्य–संग्रह की भाषा–शैली को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **13**

प्र–3. 'राम की शक्ति पूजा' काव्य के आधार पर राम की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **13**

अथवा

प्र–3. 'राम की शक्ति पूजा' के काव्य–प्रकार पर प्रकाश डालिए । **13**

प्र–4. अ) **टिप्पणी लिखिए :–** **07**

1) छायावाद के प्रवर्तक ।

अथवा

1) छायावादी काव्य और निराला ।

प्र–4. ब) **ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:** **07**

1) ''रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त
तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त
शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करो पूजन,
छोड दो समर जब तक न सिद्धि हो, रघुनंदन।''

अथवा

1) ''पुलकित स्वप्नों की रोमावलि,
कर में हो स्मृतियों की अंजलि,
मलयानिल का चल दुकूल अलि।''

———